



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ302333	ImageGroup:	I4CZ302397
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	རྟ་ཕག་ཡིད་བཞིན་ནོར་བུའི་ཕྱི་བསྐྱབ་ལྷུང་བཤགས་ཚོགའི་ཟིན་བྲིས་འདོན་འགྲིགས་བཞུས་ཚོགའི་རྟ་མགོད་པ། rta phag yid bzhin nor bu'i phyi bsgrub ltung bshags cho ga'i zin bris 'don 'grigs bltas chog tu mkod pa/
Author:	ཀརྨ་ཆགས་མེད་ karma chags med
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

ॐ

। हृषीकेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीब्रह्मणे नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥

ॐ



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ बुद्धिर्बुद्धिं वन्द्यते ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

३

[illegible]



འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་

༢༡། །ཅུ་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་
 འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་
 འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་
 འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་



འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་

འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་
 འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་
 འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་
 འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་



འཛུགས་པའི་མཆོད་པ་ལྟེན་པའི་མཆོད་པ་

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]



འཇམ་མཐོན་པོ།

པདྨ་པེ་འོ་ཟེ་རྒྱ་མཚོ་ལ་ནི། །དཔལ་པོ་པདྨ་པོ།
 དཔལ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ། །ཕྱག་ལཱ་མཚོ་པོ།
 མཚོ་པོ། །ཕྱག་ལཱ་མཚོ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ།
 ཕྱག་ལཱ་མཚོ་པོ། །དཔལ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ།
 དཔལ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ། །ཕྱག་ལཱ་མཚོ་པོ།
 པདྨ་པོ། །འོ་ཟེ་རྒྱ་མཚོ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ།



འཇམ་མཐོན་པོ།

ཕྱག་ལཱ་མཚོ་པོ། །དཔལ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ། །འོ་ཟེ་
 མཚོ་པོ་ཕྱག་ལཱ་མཚོ་པོ། །དཔལ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ།
 མཚོ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ། །ཕྱག་ལཱ་མཚོ་པོ།
 མཚོ་པོ། །དཔལ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ།
 ཕྱག་ལཱ་མཚོ་པོ། །འོ་ཟེ་རྒྱ་མཚོ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ།
 དཔལ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ་པདྨ་པོ། །ཕྱག་ལཱ་མཚོ་པོ།



འཇམ་མཐོན་པོ།

五

99

। सवेदुक्कयुयन् ।

॥ सुतर्कवर्णनार्थं ॥

॥ बुद्धाय नमः ॥

॥ इति मन्त्रः ॥

1330

ལུང་པ་བཀོད་པ་འི་དཔལ་ལ

॥ बुद्धयर्थात्तदर्थं बुद्ध्या बुद्धिर्बुद्ध्या ॥

॥ तिष्ठति वै कुरु सुद पद्मसुखाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ द्वापर्युद्धे कृष्णपद्मस्य ॥

རྒྱལ་སྐོར་པ་དང་མཁན་པོ་འབྲེལ་བའི་ཕྱི་ལོ་

॥ बुद्धाय नमः ॥

ལུག་ལྷན་མཆོད་དང་དཔེ་བྱུང་ཐུགས་ཀྱི་ལྷན་པོ།

| केंद्रं गच्छेत्तु यथाह यथाह यथाह ।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वदन्तु वदन्तु वदन्तु।

1. ॥ वाचं धेनुमुपासीत ॥

॥ यत्किंचिदप्युच्यते तत्तु यथावत् ॥

॥ अथैवमप्युक्तं ॥ अथैवमप्युक्तं ॥ अथैवमप्युक्तं ॥

1558

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ अथ भुवि स्थितं पृथुदंष्ट्रं ॥

འཕྲོད་སྐབས་རྒྱུ་ལྟར་གླིང་པ་མཁའ་ལོ་ཡོད་པ་ལྟར་

||ཁྱེ་བོ་འོ་རྒྱལ་ལ་ལྟ་བུ་དཔལ་པོ་ལྷོང་།

འདི་ལྟར་ཀུན་ལ་འཕྲུལ་པ་འདི་ལྟར་ཀུན་ལ་འཕྲུལ་པ་

三

ལྷོ་བོད་ལྷོ་ལོ་ལོ་དཀར་པོ་དང་།

འཕགས་པ་རྒྱལ་ཡོད་མང་བ་དང་།

॥ पुण्यसंगरकुं यथासुखं पालयिष्यामि ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५३३५



३५५५

[illegible]

五



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

152

(Faint handwritten text in Tibetan script)

595



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

34



५५३ ७३५

[illegible]

484



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

52025



॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवविद्वत्समेवासा
 पुत्रादकं वा ॥ ॐ देवविद्वत्समेवासा पर्वतद्वय
 द्वाभावा पुत्रादकं वा ॥ देवविद्वत्समेवासा
 देवविद्वत्समेवासा पर्वतद्वय ॥ देवविद्वत्समेवासा
 देवविद्वत्समेवासा पर्वतद्वय ॥ देवविद्वत्समेवासा
 देवविद्वत्समेवासा पर्वतद्वय ॥ देवविद्वत्समेवासा

545



歌以贈

[illegible]

MS



सुखदयकरपण

10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 2

[illegible][illegible]

[illegible]



॥ ८३८ ॥

॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥
 ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥
 ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥
 ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥
 ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥
 ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥
 ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥ ॥ ८३८ ॥



॥ ८३९ ॥

॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥
 ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥
 ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥
 ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥
 ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥
 ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥
 ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥ ॥ ८३९ ॥



॥ ८४० ॥

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।



མཆོད་པའི་ཡེ་ཤེས་པ།

གཟུངས་པའི་ལུ་ཅིག་པོ་དཔལ་འཁོར། །ཐམས་པའི་ཕྱི་རམ་པ།
 ཐམས་པའི་ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ།
 ཕྱི་རམ་པ། ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ།
 ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ།
 དཔལ་འཁོར་པ། །ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པ།



མཆོད་པའི་ཡེ་ཤེས་པ།

ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པ།
 ཕྱི་རམ་པ། ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ།
 ཕྱི་རམ་པ། ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པ།
 ཕྱི་རམ་པ། ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པ།
 ཕྱི་རམ་པ། ཕྱི་རམ་པའི་ཕྱི་རམ་པ། །ཕྱི་རམ་པ།



མཆོད་པའི་ཡེ་ཤེས་པ།

[illegible]

མཆོག



གཏུགས་པའི་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་

བདམས་པ་འདི་དུ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་། །སྐད་བ
 བསྐྱེད་པ་ཡི་དེ་བདག་པོ་འཕེལ་དེ་ཐུག་པོ་། །དེ
 བསྐྱེད་པོ་བྱེད་ཐུག་པོ་ཡི་དེ། །སྐྱོ་ཡི་སྐྱོ་ཡི་དེ།
 སྐྱོ་ཡི་དེ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་། །སྐྱོ་ཡི་དེ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་།
 མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་། །སྐྱོ་ཡི་དེ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་།

མཆོག



གཏུགས་པའི་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་

མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་། །སྐད་བ
 བསྐྱེད་པ་ཡི་དེ་བདག་པོ་འཕེལ་དེ་ཐུག་པོ་། །དེ
 བསྐྱེད་པོ་བྱེད་ཐུག་པོ་ཡི་དེ། །སྐྱོ་ཡི་སྐྱོ་ཡི་དེ།
 མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་། །སྐྱོ་ཡི་དེ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་།
 མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་། །སྐྱོ་ཡི་དེ་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་།

མཆོག



གཏུགས་པའི་མཆོག་པོ་མཆོག་པོ་



३॥ श्री गुरु नमः शिवाय ॥

ॐ । कुम्भेष्टीयविप्रेतैः श्रुतं देवपर्वे पारुष्यम् ।
 वज्रिणः पार्श्वे वज्रं दधाम्येषां पारुष्यं सार्वभौमं पारुष्यं
 श्रुत्वा कृत्वा यथा मया श्रुतम् । येषां पारुष्यं ददाम्येषां पारुष्यं
 । विष्णुपार्श्वे वज्रं दधाम्येषां पारुष्यं । येषां पारुष्यं ददाम्येषां पारुष्यं
 । येषां पारुष्यं ददाम्येषां पारुष्यं । येषां पारुष्यं ददाम्येषां पारुष्यं ।



इन्द्रकुमारः।

[illegible][illegible]

Handwritten text in a cursive script, possibly a signature or a name, written on aged, textured paper.